2020 B.A. SEM-IV
HINDI
Paper—CC-10
Full Marks - 80
Time:- 3:00 hours

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
दाहिने ओर किनारे में दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

(1.) निम्नलिखित में से किन्हीं चार (4) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 15×4=60
(क) भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मतानुसार नाटक की परिभाषा दीजिए।
(ख) नाट्योत्पत्ति के संबंध में भारतीय आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।
(ग) हिन्दी नाटक के विकास-क्रम पर प्रकाश डालें।
(घ) पाश्चात्य दृष्टिकोण से नाटक के तत्वों की विवेचना कीजिए।
(ङ) समकालीन हिन्दी नाटकों के दशा एवं दिशा पर विचार कीजिए।
(च) हिन्दी नाट्य-भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

(2.) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दें। 5×2=10
(क) नाटक की विशेषता बताएँ।
(ख) नाट्योत्पत्ति के संबंध में भरतमुनि के मत को लिखिए।
(ग) नाटक में कथावस्तु के महत्ता पर विचार करें।
(घ) भारतेन्दु युगीन नाटक की प्रवृत्ति बताएँ।

(3.) निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दें। 1×10=10
(क) नाट्यशास्त्र के रचनाकार कौन है?
(ख) पंचम वेद किसे कहा जाता है।
(ग) भारतीय मतानुसार नाटक के कितने तत्व हैं?
(घ) हिन्दी नाटक की शुरुआत किस युग से हुई।

P.T.O.

Scanned with Cam

(ङ) 'कामना' नाटक किसकी रचना है?

(च) 'नाटक' शब्द की व्युत्पत्ति किस धातु से हुई है?

(छ) 'काव्येषु नाटकं रम्यम्' किसका कथन है?

(ज) कठपुतली नृत्य से नाट्य उत्पत्ति का संबंध किसका मत है?

(झ) भारत दुर्दशा किसका नाटक है?

(ञ) मोहन राकेश के किसी नाटक का उल्लेख करें।

Scanned with Cam